# वार्षिक प्रगति प्रतिवेदनवर्ष

***2021. 2022***

# ANNUAL REPORT

2021.2022


**जन कल्याण सेवा संस्था नेरूवा**

गाँव व डाकघर नेरूवा, तहसील चौपाल
जिला शिमला, हि0प्र0 – 171210
email: jkss6299@gmail.com

**Jan Kalyan Sewa Sanstha Nerwa**

V.P.O Nerwa, Tehsil Chopal,
District Shimla H.P. 171210
Mobile : 9418064733, 9816733403

## ❖ संस्था का परिचय :

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा एक गैर राजनीतिक, धर्म –निर्पेक्ष, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्था है। जो कि पंजीकरण सभाएं अधिनियम 21 के 1860 के अर्न्तगत पंजीकृत है। संस्था की स्थापना वर्ष 1999 में जिला शिमला के विकास खंड चौपाल में जनहित के कार्य करते हुए की गई है संस्था का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश है। हमारी जन कल्याण सेवा संस्था वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेष के दो जिलों में वर्ष 2013 से आज तक जिला शिमला व जिला सिरमौर में सम्पूर्ण स्वच्छता पेयजल मिशन पर कार्य कर रही है। संस्था हिमाचल के **पाँच** जिलों में कार्य कर रही है :–

| जिला का नाम | विकास खण्डों के नाम | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शिमला | चौपाल | ठियोग | रोहडू | जुब्बल कोटखाई | चिड़गांव(डोडरा क्वार) | |
| सिरमौर | षिलाई | पांवटा साहिब | नाहन | संगड़ाह | सराहां | राजगढ़ |
| किन्नौर | सांगला | पूह | निचर | निचर | कल्प | .... |
| कुल्लू | निरंद | बनजार | भुंतर | कुल्लू | अननी | ..... |
| सोलन | कंडाघाट | अर्की | कुन्निहर | नालागढ़ | धरमपुर | बद्दी |

## ❖संस्था का उद्देष्यः

- स्वास्थ्य
- शिक्षा,
- जागरूकता,
- पर्यावरण सुरक्षा
- बेरोजगार नवयुवक/युवतियों को स्वावलम्बी के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण देना।

- बेरोजगार नवयुवक/ युवतियों को आत्म–निर्भर बनाने के लिए आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना।
- महिला मण्डल एवं नव युवक/युवति संगठन को सशक्त बनाना।
- हर वर्ग व जाति समुदाय का उत्थान करना।
- वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी को बढ़ावा देना
- किसानों की समस्याओं का निवारण करना।
- समाज में व्यापत असमाजिक कुरितीयों को शिविर के माध्यम से दूर करने का प्रयास करना।
- समाज में बढ़ रहे नशखोरी से नौजवानों को बचाना ।

### ❖ गतिविधियाँ:

- संस्था शिमला, **सोलन, किन्नौर, कुल्लू** तथा सिरमौर जिले के **विभिन** विकास खण्डों में कार्य कर रही है एवं सभी विकास खण्डों में संस्था के द्वारा नियुक्त खण्ड समन्वयक अपने–अपने विकास खण्डों में सभी गांव व पंचायतों में **ग्रामीण पेयजल एवं स्वत्छता** कमेटीयों का गठन करती है तथा प्रत्येक गांव व पंचायतों में सभी पानी के स्त्रोतों कुंओं चष्मों, नदी, नालों और तालाबों व पानी के बडे भण्डारण टैंकों को भी समय–समय पर जांच करते हैं। दोनों जिलों के खण्ड समन्वयक प्रत्येक गांव व पंचायतों के सभी स्कूलों, आंगनवाडी केन्द्रों, स्वास्थ्य विभागों व अन्य सभी विभागों और पंचायत के प्रतिनिधियों तथा वार्ड मैम्बरों तथा प्रत्येक सदस्यों को पानी की पूर्ण स्वच्छता व शुद्ध गुणवता तथा उचित रख रखाव की जानकारी, हर बदलते मौसम से पहले व बाद में समय–समय पर दी जाती है। जन कल्याण सेवा संस्था ज्यादातर इन दोनों जिलों में शिमला व सिरमौर में हरेक ब्लॉक खण्डों, प्रत्येक पंचायतों तथा गांव में गरीब वर्ग के लोगों व बेसहारा बच्चों तथा 60 वर्ष से अधिक आयु व बहुत ही गरीब व पिछडा वर्ग के लोगों को हम विशेष मदद की योजना के तहत इन पात्र सदस्यों को संस्था मदद करना चाहती है। जिस कार्य को संस्था कुछ ही दिनों में शीघ्र ही पूरा कर देगी।

- बेरोजगार नवयुवक और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि व बागवानी पर नए–नए वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी पर केंद्रित करने के लिये गांव –गांव में जाकर जागरूकता प्रसार शिविर लगाने काकार्य करती है।
- संस्था बेरोजगाार युवक व युवतियों को आत्म निर्भर करने का कार्य कर रही है। बदलते आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना है।
- संस्था का विचार है कि जो बेसहारा व विकलांग बच्चें है उनके लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष सहायता करेगी तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धों गरीबों व असहाय पात्र सदस्यों के लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष मद्द करना चाहती है ताकि विशेष असहाय व गरीब जरूरतमंदों की सहायता की जा सके।
- वर्तमान समय में संस्था अधिकांश कार्य हिमाचल प्रदेश के **पाँच** जिलों में(जिला शिमला, **सोलन**, **किन्नौर**, **कुल्लू** व जिला सिरमौर में) पूर्ण स्वच्छता अभियान पर कार्य कर रही है। जिला शिमला, **सोलन**, **सिरमौर के विभिन्न** स्कूलों, पंचायतों और आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा अन्य सभी विभागों में कमेटियों का गठन किया गया तथा विभिन्न स्कूलों तथा विभागों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता प्रसार शिविरों में लोगों को जल स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान कर जागरूक

किया गया। **विभिन्न** पंचायतों में मीटिगों में पानी जाँच किट के माध्यम से लोगों को पानी की जांच करने बारेप्रशिक्षित किया गया।

- सभी गांव व पंचायतों के सभी सदस्यों को पीने के पानी की उत्तम गुणवता के बारे में जॉच पडताल की ट्रेनिंग दी जाती है। यह ट्रेनिंग सभी गांव व पंचायतों में आंगनबाडी केंद्रों, स्कूलों व अन्य सभी सरकारी विभागों में दी जाती है। इस ट्रेनिंग में पीने के पानी का सही इस्तेमाल व रख रखाव के बारे में लोगों को मौखिक रूप से व नुक्कड नाटक के माध्यम से सभी बच्चों व लोगों को जागरूक किया जाता है। हिमाचल प्रदेश पहाड़ी क्षेत्र होने के नाते यहां से पानी के विशेष स्त्रोत उत्पन्न होते हैं जिस पर हिमाचल प्रदेश व भारत के बहुत सारे राज्य निर्भर हैं। इसलिये इन सभी पानी के स्त्रोतों, चष्मों, कुंओं, तालाबों व नदी, नालों को दूषित होने से बचाया जा सके। ताकि सभी को स्वच्छ व साफ जल पीने को मिल सके ताकि स्वच्छ जल पीने से सभी लोगों को अच्छा स्वास्थय लाभ मिल सके।

- हिमाचल प्रदेश का यह क्षेत्र जिला शिमला, **सोलन, किन्नौर, कुल्लू** व जिला सिरमौर भौगोलिक दृष्टि से बहुत पिछड़े क्षेत्र है। पहाडी क्षेत्र होने के कारण यहां यातायात की उचित व्यवस्था नहीं है। स्वास्थ्य सेवाएं की उचित तकनीक व अच्छी शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था विकसित नहीं है। इन क्षेत्रों के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेतीबाड़ी व पशुपालन है। इन क्षेत्रों की खेती विशेषकर वर्षा पर निर्भर करती है। सिंचाई की कोई भी व्यवस्था नहीं है। संस्था का कार्य क्षेत्र की समुद्र तल से ऊंचाई 4 हजार

फुट से लेकर 12000 फुट तक की ऊंचाई वाले पहाड़ी में बसा है। यहां पर जून माह से लेकर सितम्बर माह तक वर्षा होती है और नवम्बर से लेकर अप्रैल तक बर्फ पड़ती है। जिसके कारण यहां अन्य क्षेत्रों से यातायात सम्पर्क टूट जाता है

### ❖ कार्यक्षेत्र की समस्याः

मुख्यतः इस पहाडी क्षेत्र में मिली–जुली संस्कृति देखने को मिलती है इस क्षेत्र में परम्परा व रीति–रिवाजों सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न है वहीं दूसरी ओर अन्धविश्वासों जैसे– जाति–पाति, बाल–विवाह, दहेज प्रथा, नषाखोरी जैसी अनेक समस्याऐं विद्यमान है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया में लोगों को जोड़ना मुष्किल होता है इसके साथ शिक्षा स्वास्थ्य यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं की दूर दराज क्षेत्रों में काफी अभाव है। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व पशुपालन है कुछ क्षेत्र में लोगों की आजिविका बागवानी पर निर्भर है लोग कृषि का कार्य अभी तक परम्परागत तरीके से ही करते हैं अधिकतर खेती वर्षा पर निर्भर करती है।

### ❖ वर्ष के दौरान कार्यक्रम की गतिविधियाँः

संस्था द्वारा विगत वर्ष 2021...2022 में नम्नलिखित गतिविधियों का सफल संचालन किया गया हैः–

- महिला मंडल का संचालन
- नव युवक मण्डल का संचालन
- नये स्वयं सहायता समूह गठन करना
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
- दक्षता निर्माण गतिविधियां
- महिला एवं युवतियों को सिलाई–कढ़ाई तथा बुनाई का प्रषिक्षण देना
- डा0 भीमराव अम्बेदकर जयंती का आयोजन करना
- चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच षिविरों का आयोजन करना
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान

- महिला जागरूकता अभियान
- संक्षिप्त पाठयक्रम का संचालन
- नर्सरी उगाना और वृक्षरोपण करना
- अक्षम विषेष आवासीय विद्यालय एवं अनाथालय का संचालन
- पानी की उत्तम गुणवता तथा जल जांच षिविर
- फल और सब्जीयों  का प्रोसेसिंग ट्रैनिंग षिविर
- गरीब वृद्ध पुरूष महिलाओं के उत्थान के सहयोग के लिए विषेष सर्वे

उपरोक्त पाठयक्रमों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से हैः–

## संगठनात्मक गतिविधियाँः–

आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि ग्रामीण लोग अपने कार्य में  इतने व्यस्त हो जाते कि उन्हें पता ही नहीं  होता कि उनके आस–पास क्या घटित हो रहा है? उन्हें इसकी सूचना तक नहीं होती लेकिन ग्रामीण लोग इसके बारे में इतने अनभिज्ञ रह जाते है कि उन्हें इन कार्यक्रमों का पता ही नहीं चलता और पता लग भी जाए तो उसकी पूर्णरूप से जानकारी नहीं होती या तो कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत जानकारी हासिल होती है जिसका समय रहते ग्रामीण उचित लाभ से वंचित रह जाते हैं। जिससें क्षेत्र के विकास पर बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

उपरोक्त स्थिति को मध्य नज़र रखते हुए संस्था विकासीय कार्यक्रमों का सुचारू रूप से चलाने बारे उन्हें जानकारी  तथा विभिन्न विभागीय प्रषिक्षण करती रहती है ताकि सभी ग्रामीण उचित समय पर संचालित योजनाओं का लाभ उठा सके और अपना विकास कर क्षेत्र को समृद्ध बनाने में अग्रसर हो सके।

### ❖ महिला मण्डलों का समुचित रूप से संचालनः–

विभिन्न क्षेत्रों की ग्रामीण महिला को कड़ी से जोड़ने व विकासात्मक कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए समुहों के रूप में संगठित कर उन्हें विकास के कार्यक्रमों में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोग विकासीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी

निभा सकें। इस समय संस्था लगभग 240 महिला मण्डलों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। प्रत्येक माह की मासिक सभाओं में संस्था के कार्यक्रमों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाती है। महिला मण्डलों की नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं। बैठक में महिलाएं अपनी समस्याओं को सामने लाती है और समस्याओं के समाधान हेतु सही दिषा निर्देषन तथा विषय हेतु रूप–रेखा तैयार करने में संस्था के कार्यकर्ता उनका सहयोग करते हैं।विभिन्न महिला मण्डलों एवं समूहों को विभिन्न बैंको से लिंक करवाया गया है और बहुत से महिला मण्डलों को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बैंकों से ऋण प्रदान करवायागया है जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है और अपने घरों को चलाने में सक्षम साबित हुई है।

### ❖ .युवक मण्डलों संचालनः–

संस्था ने सभी पंचायतों में युवक मण्डलों का गठन किया है जोकि अपनी पंचायत क्षेत्र में सभी समस्याओं से जुड़ने के लिए संस्था का सहयोग करते हैं संस्था इन युवाओं के अपनी बैठक में भी बुलाती है और इनका मार्ग दर्शन भी करती है। संस्था बेरोजगार युवकों को स्वभिलम्बन बनने के लिए प्रेरित करती हैं ताकि युवक अपना रोजगार कर सकें और अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें । अभी हर पंचायतों में हमने कम से कम 82 नव युवको मण्डलों का गठन किया।

## ❖ नये स्वयं सहायता समूह  का गठन करना:

आज के समय में बचत की सभी को आवश्यकता है खास कर ऐसे परिवार को जोकि आर्थिक रूप से पिछड़े है। गरीब महिलाओं के लिए बचत अपनी उपयोगिता है क्योंकि जब कोई भी मुसीबत आ पड़ती है तो गरीब महिलाएं ही उसकी सबसे अधिक शिकार होती है गरीबी से भी महिलाएं पुरूषों के मुकाबले घर तथा परिवार के लिए ज्यादातर जूझती है ऐसी स्थिति में अगर महिलाओं के पास थोड़ी बहुत बचत हो तो उसके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होती है राजनीतिकरण की वजह से ग्रामीण लोग अपने सभी उपयोगी कार्यक्रमों हेतु सरकार के उपर बोझ बनती जा रही है इस समस्या का एक मात्र उपाय ग्रामीणों को एकत्र कर उनकी सोच में परिवर्तन लानेहेतु समूहों में गठित करना है। इस उद्वेष्य की पुर्ति हेतु संस्था ने यह निर्णय लिया है कि नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करना अति आवष्यक है जिससे महिलाओं  का आत्मविष्वास और आत्मनिर्भरता संभव हो सके। संस्था सभी समूहों की बैठक बुलायेगीऔर सभी समूहों की आपसी प्रतिस्पर्धा करवायेगी उन्हें पुरस्कृत करेगी ताकि वह महिलाएं समूह के प्रति अपनी लग्न न छोड़े।

संस्था विकास खंड चौपाल, रोहडू, चिडगांव, डोडर क्वार, ठियोग व जुब्बल में  नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करके उनकी सहबद्धता और रिफ्रैषर कार्यक्रम हेतुनाबार्ड बैंक से सम्मानित करवाया जाएगा। संस्था ने अभी तक लगभग 240स्वयं सहायता समूह का गठन किया है वर्ष 2023 में लगभग 720 नये  स्वयं सहायता समूहों का गठन करेगी तथा संस्था जिला स्तर पर स्वयं सहायता समूह के नेटवर्क का कार्य करेंगी।

## ❖ अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवसः–

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस 2021–22 में जिला सिरमौर के ब्लॉक शिलाई ग्राम पंचायत बान्दली में मनाया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एस0डी0एम0 शिलाई श्री योगेष चौहान जी तथा सी.डी.पी.ओ श्री प्रशान्त जी शिलाई तथा बी.पी.ओ. शिलाई और बी.एम. ओ. शिलाई ने की। जिसमें शिलाई की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों की सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं तथा सुपरवाईज़र और हरेक पंचायतों की प्रधान एवं लगभग 670 महिलाओं व पुरूषों ने भाग लिया। इस समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति मस्तों देवी, आंगनबाड़ी केन्द्र क्लौग सहित 06 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एस.डी.एम.शिलाई के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

## 5.दक्षता निर्माण गतिविधियांः–

बेरोज़गारी की बढ़ती हुई संख्या से जहां देश व प्रदेश सरकार चिंतित है वहीं पढ़े लिखे युवा वर्ग भी इस बढ़ती हुई समस्या के समाधान से निकालने में असमर्थ व हतोत्साहित हो रहे हैं इस समस्या के समाधान के लिए एक उपाय है कि पढ़े–लिखे युवा वर्ग को स्वरोज़गार हेतु प्रषिक्षण व प्रोत्साहित किया जाना अति जरूरी है। संस्था द्वारा इसी समस्या के समाधान हेतु ग्रामीण महिलाओं, युवक/युवतियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अन्तर्गत व्यवसायिक एवं तकनीकि प्रषिक्षण दिलाए जायेंगे।

## ❖ डा0 भीमराव अम्बेदकर जयन्ती का आयोजन करने बारेः–

भारत रत्न व महापुरूष डा0 भीमराव अम्बेदकर की जयन्ती संस्था **हर वर्ष मनाई जाती है. परन्तु हिमाचल प्रदेश में चुनाव के चलते और आचार सहिंता लगने के कारन इस बार जयंती नही मनाई गयी** ।

## ❖ स्वास्थय जॉच षिवर का आयोजन करने बारेः–

संस्था द्वारा covid-19 awareness seminar **चलाया गया तथा लोगो को मास्क व् sanitizer के प्रयोग के बारे में जानकारी दी गयी.** चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित मरीजों का निशुल्क उपचार करवाने के लिए जब–जब विभागों द्वारा निःशुल्क शिविर का आयोजन किया जाता है तो संस्था द्वारा गांव एवं पंचायतों के सभी लोगों को शिविर में आने जाने में सहायता की जाती है। संस्था ने हर गांव जाकर लोगों को इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाता है इन शिविरों में अनेक प्रकार के चैकअप किए जातें हैं जैसेकि आंखों के टैस्ट व पत्थरी **का ऑपरेशन और अन्य सभी उपचार सफल तरीके से निःशुल्क किए जाते हैं।**

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान जन कल्याण सेवा संस्था ने वरिष्ठ माध्यमिक षेईला ग्राम पंचाचत रुसलाह में जैव विविधता संरक्षण निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया।आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ माध्यमिक षेईला के मुख्य अध्यापक श्री मोही राम मोखटा ने की और इस जैव विविधता संरक्षण के बारे मुख्य व अनुभवी सलाहकार श्री सुरेन्दर सिंह जस्टा एच.डी. ओ. ब्लॉक चौपाल व हरि चन्द डोगरा ठत्ब आई0 पी0 एच0 विभाग ने जैव विविधता के बारे में लोगों को विषेष जानकारी दी और श्री हरी चन्द डोगरा खण्ड समन्वयक, ब्लॉक चौपाल ने जैव विविधता संरक्षण व जल संरक्षण के बारे में लोगों

को विषेष जानकारी दी। इस कार्यक्रम में लगभग 480 छात्र व छात्राओं व अन्य स्थानीय लोगो ने जानकारी हासिल की।

## ❖ महिला जागरूकता प्रसार षिविर का आयोजन करने बारेः–

संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने व उन्हें अपने अधिकारों कर्तव्यों के बारे में जानकारी देने, विकासीय कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका तथा सरकारी विभागों की विकासीय योजनाओं इत्यादि की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है इस उदेष्य के लिए संस्था ने जिला शिमला के पिछडे क्षेत्र चौपाल विकास खण्ड में झिना, बम्टा, मालत, पुजारली, कुलग, धार चानना, कान्डा बनाह और जुब्बली, किरण, थरोच, मुण्डली, खदर और भराणु व चान्जु चौपाल में कार्यषालाओं का आयोजन किया। जिसमें संस्था ने स्त्रोत व्यक्ति के माध्यम से इन्हें कई प्रकार की जानकारी प्रदान की। इसमें महिला संरक्षण दहेज प्रथा, नषा निवारण एच. आई. वी. एड्स महिला को कानूनी सहायता पर, पर्यावरण प्रदूषण रोकने, पषु पालन व कृषि विकास और बागवानी से संबंधित तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई। महिला को पूर्ण जागरूकता मिलने पर कुछ घर की स्वतंत्रता मिलनी बहुत आवष्यक है। तब महिला बिना आरक्षण के भी पुरूषों से आगे बढ़ सकती है। महिला परिवर्तन होने से देश को नई दिषा मिल सकेगी।

## ❖ .नर्सरी उगाना व पौधरोपण करनाः–

संस्था फरवरी 2010 से हर वर्ष टिक्करी में नर्सरी की बिजाई का कार्य करती है। जिसमें संस्था द्वारा नर्सरी की क्यारियों में देवदार, चुली, अखरोट व कैंथ की बिजाई की जाती है जिसकी पैदावार बहुत अच्छी हो रही है। संस्था वर्ष 2021 में जनवरी व फरवरी में 1200

वृक्षरोपण किया गया है। जिसमें 11 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने कार्य किया जो कि पिछडे क्षेत्रों में बहुत बड़ी उपलब्धि है नर्सरी की सिंचाई के लिए टैंक का निर्माण किया गया। नर्सरी उगाने व वृक्षरोपण के कार्य संस्था हर वर्ष करती है। संस्था प्रत्येक वर्ष वन महोत्सव मनाती है और 1600 से लेकर 6000 तक वृक्षों का रोपण करती है।

### ❖ .अक्षम विषेष आवासीय विद्यालय का संचालनः–

- संस्था जिला शिमला के दूर दराज के क्षेत्र में विकास खण्ड चौपाल के नेरवा में विकलांग व अनाथ बच्चों का आवासीय विद्यालय चलाया गया था। संस्था की देख – रेख विद्यालय में इस समय 81 अपंग व अनाथ बच्चों ने षिक्षा ग्रहण की। इसका खर्चा संस्था दान मांग कर व कुछ मद्द डेरा बाबा रूद्रानन्द जी महाराज ऊना सेवक मण्डल षिमला द्वारा सहयोग दिया गया। संस्था इस कार्य को सुचारू रूप सेचलाने की इच्छुक है।संस्था का भवन आवासीय कालॉनी किचन व शौचालय इत्यादि बनाने का विचार है यदि संस्था को सरकारी या गैर सरकारी संगठन से समुचित आर्थिक मदद मिल सके।

### ❖ संस्था वृद्ध आश्रम खोलना चाहती है ताकि वृद्ध पुरुषों व् महिलाओ कि देहभाल व् उनकी दवाई का खर्च हम उठा सकें. इसके अलावा संस्था गौ सदन खोलना चाहती है ताकि दूध कि अवसकता पूरी हो सके.

दूध की महंगाई एवं लोगों की जरूरत को देखते हुए संस्था गौ–सदन की स्थापना करना चाहती है ताकि दूध इत्यादि से बच्चों को सुविधा मिल सके। संस्था इस कार्यको जनता व सरकार के सहयोग से पूरा करेगी। षिक्षा के अतिरिक्त हम इन छात्रों को खेलकूद मनोरंजन इत्यादि भी करवायेंगे व इसके लिए विषेष षिक्षित अध्यापक रखे जायेंगें। अक्षम व अनाथ विद्यालय में बहुत से समारोहों का आयोजन किया जाता हैं जैसे– दीपावली, दषहरा, स्वतन्त्रता दिवस,

गणतन्त्रता दिवस, गांधी जयंती, विकलांगता दिवस, साक्षरता दिवस, बाल दिवस, पर्यावरण दिवस, षिक्षक दिवस आदि का आयोजन किया जाता है। संस्था आयकर के 80–जी. के तहत दान प्राप्त करती है। यदि कोई सज्जन महापुरूष हमारी संस्था को दान करना चाहते हैं तो आप निम्नलिखित खाता संख्या में जमा कर सकते है जिसकी आपको संस्था के माध्यम से रसीद दी जायेगी

State Bank of India
Account No:- 11577932741
IFSC Code No:-SBIN0008353
MICR NO.17100171
Email _ID:- jkss6299@gmail.com

❖ **फल व सब्जीयां प्रोसैसिंग ट्रैनिंग षिविर आयोजनः–**जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा ने ये विकास खण्ड चौपाल के नेरवा में अनूसूचित जाति संगठन एवं कोली समाज की मदद से फल व सब्जियों की ट्रैनिंग शिविर शुरू किया जो ट्रैनिंग षिविर में कम से कम 28 दिनों चलाया गया जिसमें की 60 गरीब घर के परिवारों ने प्रषिक्षण लिया। इसमें उन लोगों नें भाग लिया जो परिवार गरीबी रेखा से नीचेव आई.आर.डी.पी. और हरिजन जाति से सम्बन्ध रखते हैं। इस शिविर में परिवारों को आचार, मुरब्बा, सौस स्कैच, चटनी, पापड़ और अनेक प्रकार के किचन गार्डन व बैकरी से सम्बन्धित हर प्रकार का प्रषिक्षण ट्रैनिंग दी गई जिससे की बेरोज़गार

परिवार घर से डेली–नीड की आईटमज़ को तैयार कर सकते हैं और अपनी आमदनी का साधन बना सकते हैं।

**नोटः** जन कल्याण सेवा संस्था चाहती है कि हर वर्ष इस प्रकार के 3– या 5 कार्यक्रम आयोजन किये जाये ताकि बहुत सारे बेरोजगार युवक व युवतियों आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

### ❖ किसानों की समस्याओं का निवारण करनाः

संस्था किसानों के हर समस्याओं के समधान के लिए बैठकों का अयोजन करती रही है और सभी प्रकार की समस्याओं जैसे कि आवारा–नकारा पशुओं व जंगली जानवरों व तथा बीज, दवाई, सिंचाई टैंक, फव्वारे, स्प्रेयर मशीनें और सस्ती खादों को सरकारी विभाग से सब्सीडी पर दिलवाने के लिए संस्था गरीब व असहाय किसानों को जो कभी भी आज तक सरकारी सब्सीडी का लाभ नहीं उठा सके, उन्हें उपलब्ध करवाती है और उन्हें जागरूक भी करती है।

### ❖ कम्बल व् खाद्य सामग्री वितरण

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में लोगो को कम्बल व् खाने पीने कि सामग्री उपलब्ध कराई गयी जिस से गरीब व् पिछड़े वर्ग के

लोगो कि सहायता कि जा सके । पहाड़ी दुर्गम स्थानों में बहुत सर्दी व् बर्फ़बारी होने के कारन लोगो को काफी परेशानी उठानी पड़ती है. संस्था हमेसा ऐसे लोगो कि सहायता करने में तत पर रहती है । इस वर्ष कुल्लू किन्नौर व् शिमला चोपला के पहाड़ी क्षेत्रों में कम्बल व् खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रमों को सफल संचालन किया गया।

❖ **leadership seminar:-**

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा शिमला के जुब्बल उपमंडल में जुलाई २०२२ को **Replication Training Program** का आयोजन किया गया जिसमे जवानों ने बड चढ़ के हिस्सा लिया. तथा leadership के बारे में जानकारी प्राप्त की.

आज के समय में पढ़े–लिखे युवा वर्ग को स्वरोज़गार हेतु प्रषिक्षण व प्रोत्साहित किया जाना अति जरूरी है। संस्था द्वारा इसी समस्या के समाधान हेतु ग्रामीण महिलाओं, युवक/युवतियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अन्तर्गत व्यवसायिक एवं तकनीकि प्रषिक्षण दिलाए जायेंगे।

## ❖ नशा मुक्ति अभियान

आज के समय में युवा नशे कि ओर बड़ी तेजी से बढ़ रहे है पंजाब के बाद हिमाचल की युवा पीढ़ी कम काज छोड़ कर नशे कि ओर अपने क़दमों को बढ़ा रही है

जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य खतरे मे है. इस समस्या से उनके माता पिता को सामाजिक समस्यों का सामना करना पड़ता है. जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा इस समस्या से निपटने के लिए हिमाचलप्रदेश के विभिन जिलो में हर साल नशा मुक्ति शिविर लगाती है. ताकि युवा पीढ़ी इस भयंकर श्राप की चपेट में आने से बच सके.

## ❖ वयस्क साक्षरता कार्यक्रम:-

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा जिला शिमला के विकास खंड चौपाल में जनहित के कार्य करते हुए नए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम कर रही है इस शिक्षा पांच आयाम हैं जिनमें बुनियादी अंक ज्ञान, साक्षरता के साथ ही महत्वपूर्ण

**जीवन कौशल से जुड़ा ज्ञान दिया जाना शामिल हैं।** साथ ही, बालिकाओं और महिलाओं, अनुसूचित जाति व जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक समुदायों, दिव्यांगजनों, हाशिये पर स्थित समूहों, घुमंतू व निर्माण श्रमिकों, मजदूरों आदि श्रेणियों को प्राथमिकता दी जाती है

### ❖ श्रम आभार:

विगत वर्ष के किए गए सफल प्रयासों के कार्यक्रमों में आयोजन हेतू संस्था निम्नलिखित सरकारी व गैर सरकारी विभागों तथा वितीय संस्थानों की आभारी है जिनकी वित्तीय सहायता व मार्ग दर्षन से हम अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों को सफल संचालन कर सकते हैं:–

| संस्था का नाम | कार्यालय |
|---|---|
| राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक षिमला | शिमला |
| केन्द्रीय/हि0 प्र0 राज्य समाज कल्याण बोर्ड | दिल्ली/षिमला |
| हिमाचल प्रदेष महिला विकास निगम | सोलन |
| हिमाचल प्रदेष अनुसुचित जाति एवं अनुसुचित जन जाति का विकास निगम | सोलन |

| | |
|---|---|
| हिमाचल प्रदेष वानिकी क्षेत्र सुधार परियोजना | षिमला |
| हिमाचल प्रदेष वॉयलंट्री हैल्थ एसोसिएषन न्यु षिमला | शिमला |
| राज्य विज्ञान प्रौद्योगिक एवं पर्यावरण परिषद् व पर्यावरण विभाग | षिमला/दिल्ली |
| भाषा एवं संस्कृति विभाग | षिमला |
| विकास विकल्प क्लैप | दिल्ली |
| हिमकॉन संस्थान | शिमला |
| सिंचाई एवं जन स्वास्थय विभाग और वैं विभाग षिमला | शिमला |
| महिला एवं बाल विकास मन्त्रालय, भारत सरकार | नई दिल्ली |